

पाठ्यक्रम 2016 –17

कक्षा— षष्ठम  
विषय— धर्मशिक्षा

प्रथम सत्र

पाठ 1	ईशस्तुति	
पाठ 2	सन्ध्या औरउसकीतैयारी	
पाठ 3	ब्रह्म यज्ञ	
पाठ 4	तुमहीइकनाथ	
पाठ 5	आर्यसमाज के नियम	1,2
पाठ 6	भक्तराज ध्रुव	
पाठ 7	मर्यादापुरुषोत्तमराम	
पाठ 8	श्रीकृष्ण चरित	
पाठ 9	धर्मवीरहकीकतराय	
पाठ 10	ईशप्रार्थना	

द्वितीय सत्र

पाठ 11	पाप के अन्नकाप्रभव	
पाठ 12	राष्ट्रीय प्रार्थना	
पाठ 13	प्रभुका धन्यवाद	
पाठ 14	जीवनदानीदयानन्द	
पाठ 15	श्यामजीकृष्णवर्मा	
पाठ 16	रामप्रसादबिस्मिल	
पाठ 17	मस्तानाजोगी	
पाठ 18	सिद्धान्तबोध प्रश्नावली	
पाठ 19	शुभकामना	

डी0ए0 वी0 सै0 पब्लिकस्कूलपश्चिम एन्क्लेव

पाठ्यक्रम 2016 –17

कक्षा— षष्ठम

विषय— धर्मशिक्षा

मासः+पाठ	विषयः	उद्देश्यम्
<p>अप्रैल-22 मई-11 पाठ 1,2,3,4 प्रार्थना सन्ध्या औरउसकीतैया री , ब्रह्म यज्ञ -सन्ध्या ,उपासना</p>	<p>सन्ध्याकाअर्थ ,समय ,स्थानऔरसन्ध्या करनेसेक्यालाभहोताहै । मन्त्रोंकास्पष्टउच्चारण , महत्त्वतथाहवनमेंबोलेजानेवालेमन्त्रों की जानकारीदेना , ईश्वर के प्रतिआस्था , आराधनातथापूजाकामहत्त्वबताना । बच्चोंकोआर्यसमाजकाअर्थ व नियमों की जानकारीकराना , ईश्वरभक्तितथागुरुभक्ति की भावनाभरना एवंवीरपुरुषों के बारेमेंबतायाजायेगा ।</p>	<p>1 बच्चोंमेंईश्वरभक्तिकीभावनाआये 2 यज्ञ के प्रति श्रद्धा जागृतहो । 3 मन्त्रोंकोबोलकरमन शुद्ध करें ।</p>
<p>जुलाई- 24 पाठ 5,6,7 आर्यसमाज के नियम, भक्तराज ध्रुव मर्यादापुरुषोत्त मराम अगस्त-22 पाठ 8,9,10 श्रीकृष्ण चरित, धर्मवीरहकीकत राय, ईशप्रार्थना</p>	<p>बच्चोंकोसत्य बोलनेकातथासत्कर्मों के प्रतिजागृतकियाजायेगा । बुराईपरसत्य की विजय तथाकुसंगतिसेबचनेकाउपाय बताना , अन्धविश्वासकोदूरकरनेकाप्रयासकियाजायेगा ।ईशप्रार्थना सेक्यालाभहोताहै ऐसीजानकारीभीदीजायेगी ।</p>	<p>1 आर्यसमाजक्योंबनाइसकीपूर्णजा नकारीहो । 2 गुरुभक्ति की प्रेरणाप्राप्तकरें । 3 अपनेवीरपुरुषों के बारेमेंजानकारी रखें ।</p> <p>1 बच्चेमहापुरुषों की जानकारी रखें । 2 अन्धविश्वाससेदूररहें । 3 ईश्वरभक्ति के विचारअन्तःकरणमेंजागृतकरें ।</p>

## द्वितीय सत्र

<p><b>अक्तूबर— 17</b> <b>पाठ 11,12</b> <b>पाप के</b> <b>अन्नकाप्रभाव ,</b> <b>राष्ट्रीय प्रार्थना</b></p>	<p>बच्चोंकोआध्यात्मिकदिशा की ओरमार्गदर्शनकरतेहुए पापऔरपुण्य कामहत्व दृष्टान्त के माध्यम सेबतायाजायेगा ।महाभारतआदिप्राचीनइतिहासकीजानकारीदीजायेगी । प्रार्थना के माध्यम सेब्राह्मण ,क्षत्रिय, वैश्य , शूद्रवर्णों के विषयोंसेअवगतकरायाजायेगा । सृष्टिकर्ताईश्वर के स्वरूपकावर्णनतथाउसकेप्रतिभक्तिभावकीओरअग्रसरकरना । स्वामीदयानन्दजी के जीवन चरित्र के बारेंबताया ।गुरु शिष्य के प्रेमभाव के विषय मेंजानकारीदेना । श्यामजी कृष्णवर्मा ने किसप्रकारविदेशमेंरहकरभीअपनेदेशकोसर्वोपरिमाना ऐसीजानकारीदेना</p>	<p>1 छात्रोंको ऐतिहासिकजानकारीहों । 2 वर्णों के कार्यकलापों की जानकारीहों । 3 पापसेदूररहेंऔरपुण्यों की ओर अग्रसरहों ।</p>
<p><b>नवम्बर—17</b> <b>पाठ 13 ,14</b> <b>,15</b> <b>प्रभुका धन्यवाद,</b> <b>जीवन</b> <b>दानीदयानन्द ,</b> <b>श्यामजीकृष्णवर्म</b> <b>f</b></p>	<p>छात्रोंकोरामप्रसादजी के जीवन के विभिन्नपहलुओंकोबतायाजायेगा । देशभक्ति की भावनाकासंचारकरनेकाप्रयासकियाजायेगा । मस्तानाजोगीकौनथा ,क्याथा ,और उनके क्रियाकलापों के विषय मेंछात्रोंकोजानकारीदेना । प्रश्नोत्तरी के माध्यम सेब्राह्मण क्षत्रिय, वैश्य ,शूद्र ,आर्य , अनार्य वर्ण,आश्रमों के विषयों की चर्चा ।</p>	<p>1 स्वामीदयानन्द के कार्यकलापों की जानकारीहो । 2 विदेशोंमेंरहकरभारतीय महापुरुषों के विषय मेंजानकारी रखें ।</p>
<p><b>दिसम्बर—21</b> <b>पाठ 16 ,17</b> <b>रामप्रसादविस्मि</b> <b>ल,</b> <b>मस्तानाजोगी</b></p>		

<p>जनवरी-13 पाठ 18 ,19 सिद्धान्तबोध प्रश्नावली, शुभकामना</p>		<p>1 देशभक्ति की भावनाकाविकासहो 2 नारी शक्ति के प्रतिसम्मानकीभावना जागृतहो । 3 छुआछूतआदिसेदूररहें ।</p> <p>1 बच्चे धार्मिकता की ओरचलें । 2 प्रश्नोत्तरीसेप्राचीनसभ्यता की जानकारीप्राप्तकरें । 3 आपसमेंप्रेमसेरहें ।</p>
--	--	--